TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष

28 जनवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

दूसरों पर निर्भर रहना बुद्धिमानी नहीं है आत्म-निर्भरता

ही प्रगति का एकमात्र मार्ग है।

लाला लाजपत राय

(स्वतंत्रता सेनानी)

जन्म : 28 जनवरी 1865 मृत्यु : 17 नवंबर 1928

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

28 जनवरी

मधु प्रिया

लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी

लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी, 1865 ई. को अपने ननिहाल के ग्राम ढुंढिके, ज़िला फ़रीदकोट, पंजाब में हुआ था। उनके पिता लाला राधाकृष्ण लुधियाना ज़िले के जगराँव क़स्बे के निवासी अग्रवाल वैश्य थे। लाला राधाकृष्ण अध्यापक थे। वे उर्दू तथा फ़ारसी के अच्छे जानकार थे। इसके साथ ही इस्लाम के मन्तव्यों में भी उनकी गहरी आस्था थी। वे मुसलमानी धार्मिक अनुष्ठानों का भी नियमित रूप से पालन करते थे। नमाज़ पढ़ना और रमज़ान के महीने में रोज़ा रखना उनकी जीनवचर्या का अभिन्न अंग था, यथापि वे सच्चे धर्म-जिज्ञासु थे। अपने पुत्र लाला लाजपत राय के आर्य समाजी बन जाने पर उन्होंने वेद के दार्शनिक सिद्धान्त 'त्रेतवाद' को समझने में भी रुचि दिखाई। पिता की इस जिज्ञासु प्रवृत्ति का प्रभाव उनके पुत्र लाजपत राय पर भी पड़ा था। लाजपत राय के पिता वैश्य थे, किंतु उनकी माती सिक्ख परिवार से थीं। दोनों के धार्मिक विचार भिन्न-भिन्न थे। इनकी माता एक साधारण महिला थीं। वे एक हिन्दू नारी की तरह ही अपने पति की सेवा करती थीं। लाजपत राय की शिक्षा पाँचवें वर्ष में आरम्भ हुई। सन 1880 में उन्होंने कलकत्ता तथा पंजाब विश्वविद्यालय से एंट्रेंस की परीक्षा एक वर्ष में उत्तीर्ण की और आगे पढ़ने के लिए लाहौर आ गए। यहाँ वे गर्वमेंट कॉलेज में प्रविष्ट हुए और 1882 में एफ. ए. की परीक्षा तथा मुख़्तारी की परीक्षा साथ-साथ उत्तीर्ण की। यहीं वे आर्य समाज के सम्पर्क में आये और उसके सदस्य बन गये। लाला लाजपत राय ने एक मुख़्तार (छोटा वकील) के रूप में अपने मूल निवास स्थल जगराँव में ही वकालत आरम्भ कर दी थी; किन्तु यह क़स्बा बहुत छोटा था, जहाँ उनके कार्य के बढ़ने की अधिक सम्भावना नहीं थी। अतः वे रोहतक चले गये। उन दिनों पंजाब प्रदेश में वर्तमान हरियाणा, हिमाचल तथा आज के पाकिस्तानी पंजाब का भी समावेश था। रोहतक में रहते हुए ही उन्होंने 1885 ई. में वकालत की परीक्षा उत्तीर्ण की। 1886 में वे हिसार आए।एक सफल वकील के रूप में 1892 तक वे यहीं रहे और इसी वर्ष लाहौर आये। तब से लाहौर ही उनकी सार्वजनिक गतिविधियों का केन्द्र बन गया।3 फ़रवरी, 1928 को साइमन कमीशन भारत पहुँचा, जिसके विरोध में पूरे देश में आग भड़क उठी। लाहौर में 30 अक्टूबर, 1928 को एक बड़ी घटना घटी, जब लाला लाजपत राय के नेतृत्व में साइमन कमीशन का विरोध कर रहे युवाओं को बेरहमी से पीटा गया। पुलिस ने लाला लाजपत राय की छाती पर निर्ममता से लाठियाँ बरसाईं। वे बुरी तरह घायल हो गए। इस समय अपने अंतिम भाषण में उन्होंने कहा था- मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक चोट ब्रिटिश साम्राज्य के क़फन की कील बनेगी। और इस चोट ने कितने ही ऊधमसिंह और भगतसिंह तैयार कर दिए, जिनके प्रयत्नों से हमें आज़ादी मिली।

इस घटना के 17 दिन बाद यानि 17 नवम्बर, 1928 को लाला जी ने आख़िरी सांस ली और सदा के लिए अपनी आँखें मूँद लीं।

जयंती विशेष 28 जनवरी

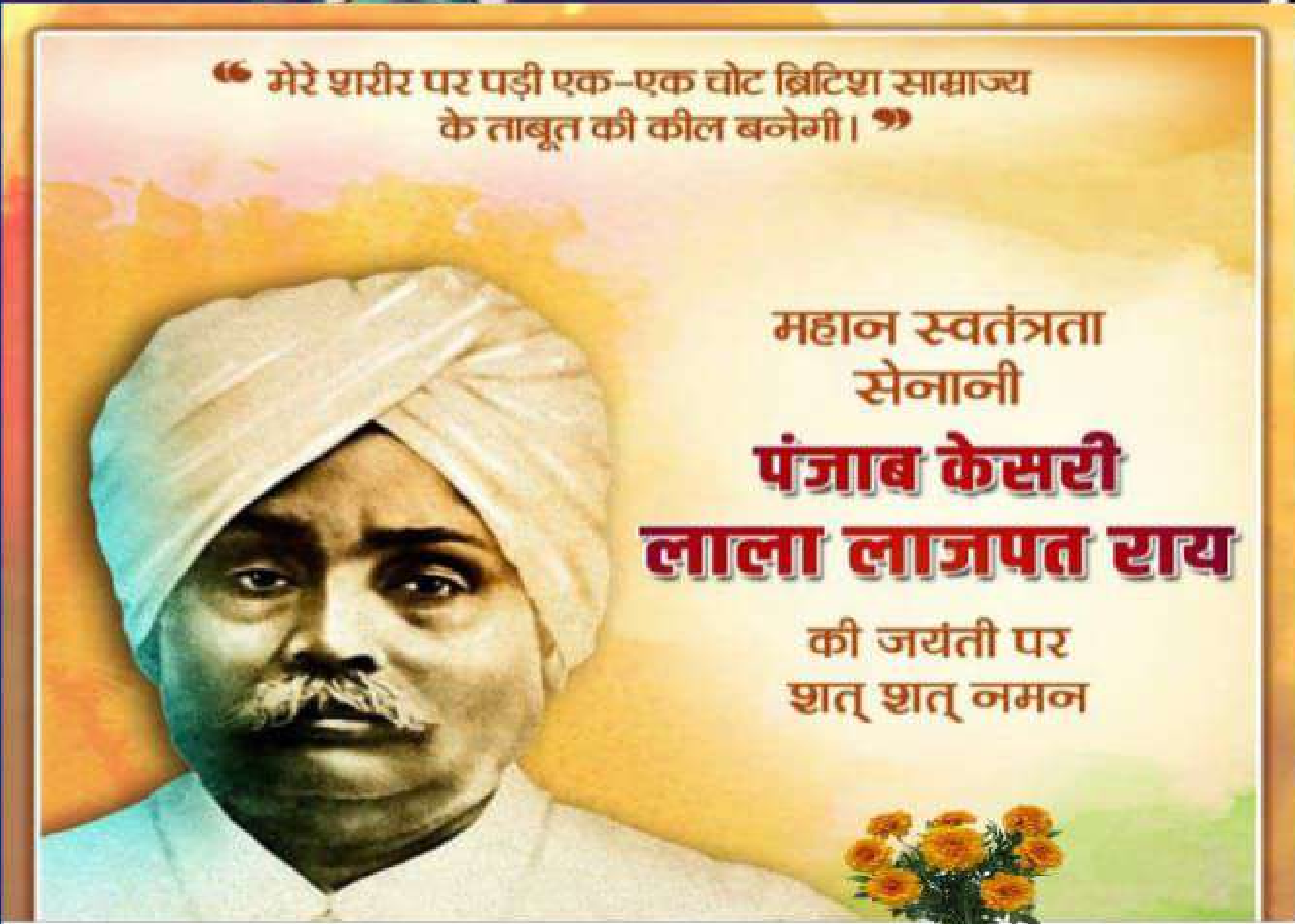

लाला लाजपत राय *Lala Lajpat Rai*, जन्म: 28 जनवरी, 1865; मृत्यु: 17 नवंबर, 1928 ई., लाहौर, अविभाजित भारत) को भारत के महान् क्रांतिकारियों में गिना जाता है। आजीवन ब्रिटिश राजशक्ति का सामना करते हुए अपने प्राणों की परवाह न करने वाले लाला लाजपत राय को 'पंजाब केसरी' भी कहा जाता है। लालाजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गरम दल के प्रमुख नेता तथा पूरे पंजाब के प्रतिनिधि थे। उन्हें 'पंजाब के शेर' की उपाधि भी मिली थी।

भारत की लगातार टी-20 सीरीज जीत

सीरीज	जगह	मैच	रिजल्ट
भारत vs न्यूज़ीलैंड	भारत	3	भारत 3-0 से जीता
सा. अफ्रीका vs भारत	भारत	4	भारत 3-1 से जीता
भारत vs ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलिया	5	भारत 2-1 से जीता (2 मैच NR)
भारत vs इंग्लैंड	भारत	5	भारत 4-1 से जीता
भारत vs द. अफ्रीका	द. अफ्रीका	4	भारत 3-1 से जीता
भारत vs बांग्लादेश	भारत	3	भारत 3-0 से जीता
भारत vs श्रीलंका	श्रीलंका	3	भारत 3-0 से जीता
भारत vs जिम्बाब्वे	जिम्बाब्वे	5	भारत 4-1 से जीता
भारत vs अफगानिस्तान	भारत	3	भारत 3-0 से जीता

राकेश कुमार

मैट्रिक परीक्षा 2026

राकेश कुमार

पहली शिफ्ट सुबह 9 .30 से दोपहर 12.45

दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 से शाम 5.15

तारीख	पहली शिफ्ट	दूसरी शिफ्ट
17 फरवरी	मातृभाषा	मातृभाषा
18 फरवरी	गणित	गणित
19 फरवरी	द्वितीय भाषा	द्वितीय भाषा
20 फरवरी	सामाजिक विज्ञान	सामाजिक विज्ञान
21 फरवरी	विज्ञान	विज्ञान
23 फरवरी	अंग्रेजी (सामान्य)	अंग्रेजी (सामान्य)
24 फरवरी	ऐच्छिक विषय	ऐच्छिक विषय
25 फरवरी	व्यवसायी ऐच्छिक विषय	-

इंटर परीक्षा 2026

राकेश कुमार

पहली शिफ्ट सुबह 9 .30 से दोपहर 12.45

दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 से शाम 5.15

तारीख	पहली शिफ्ट	दूसरी शिफ्ट
2 फरवरी	बायोलॉजी साइकोलॉजी	इकोनॉमिक्स
3 फरवरी	मैथ	पॉलिटिकल साइंस, फाउंडेशन कोर्स
5 फरवरी	फिजिक्स	जियोग्राफी, बिजनेस स्टडी
6 फरवरी	इंग्लिश	हिंदी
7 फरवरी	केमिस्ट्री	इंग्लिश
9 फरवरी	हिंदी	इलेक्टिव सब्जेक्ट ट्रेड पेपर- 1
10 फरवरी	भाषा	साइकोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप
11 फरवरी	म्यूजिक	होम साइंस, इलेक्टिव सब्जेक्ट ट्रेड पेपर- 2
12 फरवरी	सोशियोलॉजी अकाउंटेंसी	सिक्योरिटी ब्यूटीशियन, रिटेल मैनेजमेंट, ऑटो मोबाइल, इलेक्ट्रिक वेलनेस, टेलीकॉम
13 फरवरी	भाषा	कंप्यूटर साइंस, मल्टीमीडिया एंड वेब, योगा

Teachers of Bihar

The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 28.01.2026

गतिज शिक्षण

गतिज **(Kinesthetic)** शिक्षण एक व्यावहारिक विधि है, जो छात्रों को शारीरिक गतिविधि, स्पर्श और अनुभव के माध्यम से "करके सीखने" **(Learning by Doing)** के लिए प्रोत्साहित करती है। यह विधि सक्रिय भागीदारी, मॉडल बनाने, रोल-प्ले और प्रयोगों के माध्यम से याद रखने की क्षमता को बढ़ाती है। यह शिक्षण शैली **VARK** मॉडल का हिस्सा है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

अयोध्या का **राम मंदिर**, मक्का (2 करोड़) और वेटिकन सिटी (90 लाख) जैसे **वैश्विक स्थलों** को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा **आध्यात्मिक** हब बन गया है।

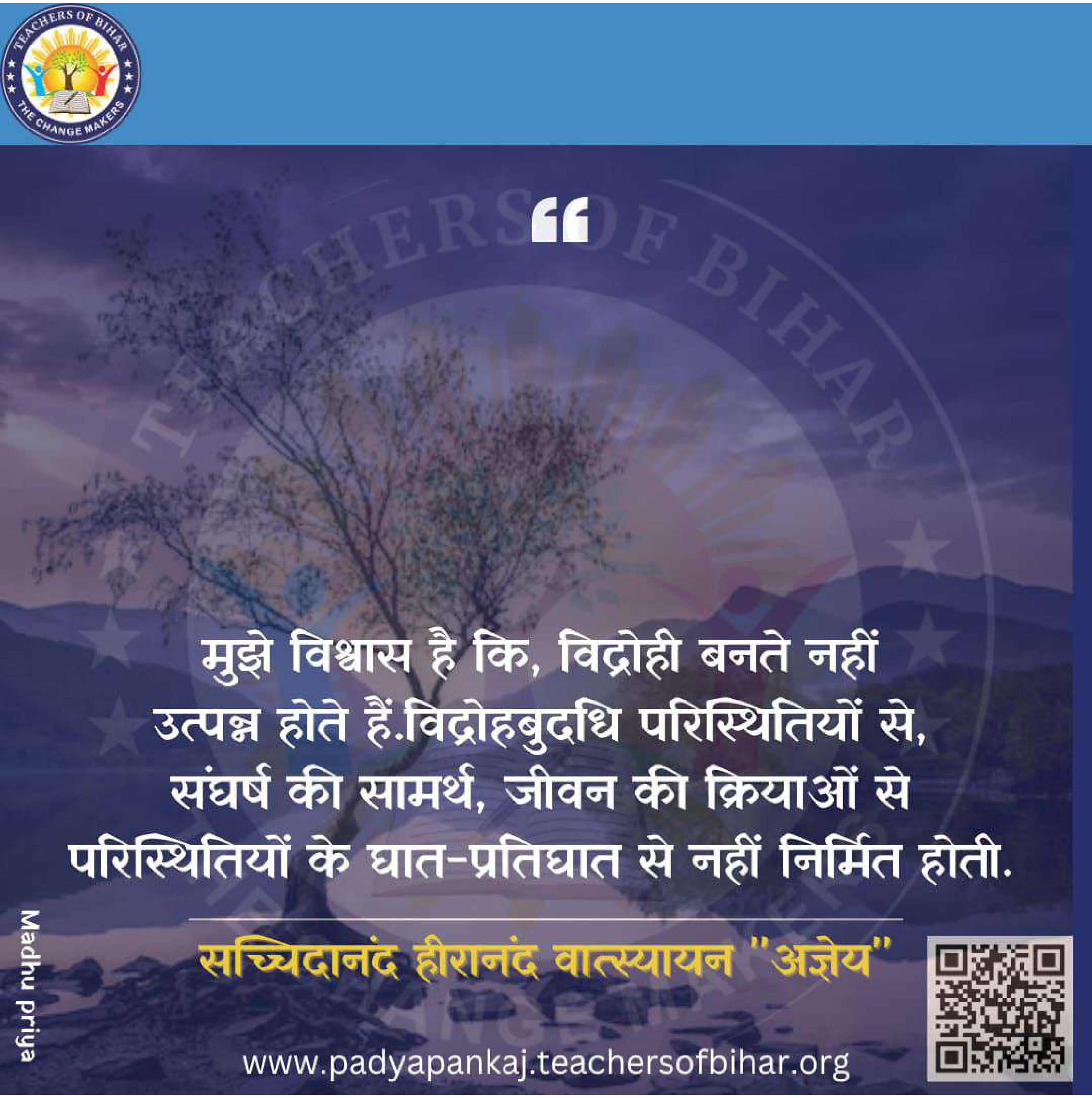
मुझे विश्वास है कि, विद्रोही बनते नहीं उत्पन्न होते हैं.विद्रोहबुदधि परिस्थितियों से, संघर्ष की सामर्थ, जीवन की क्रियाओं से परिस्थितियों के घात-प्रतिघात से नहीं निर्मित होती.
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन "अज्ञेय"
Madhu priya
www.padyapankaj.teachersofbihar.org

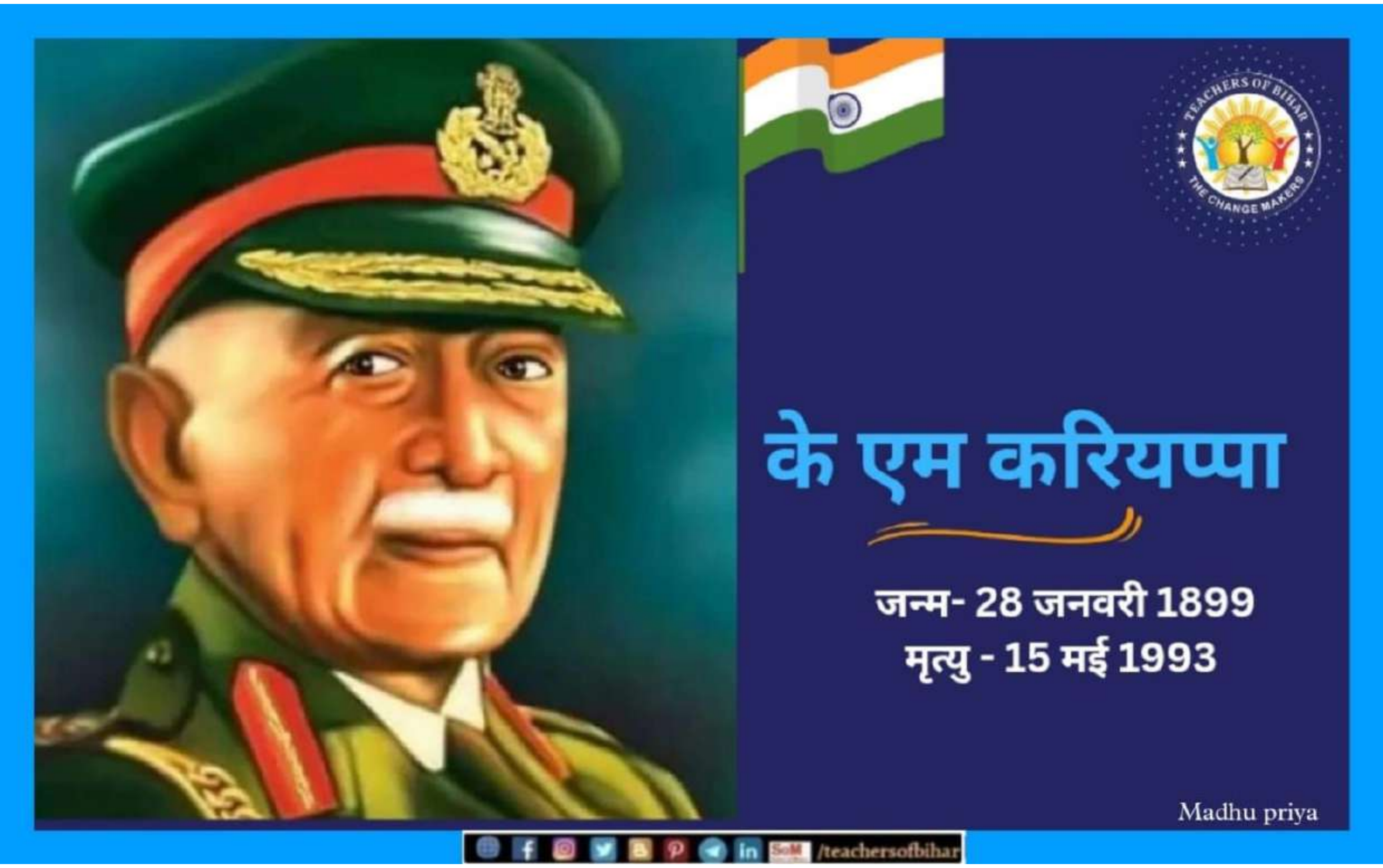
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
के एम करियप्पा
जन्म- 28 जनवरी 1899
मृत्यु - 15 मई 1993
Madhu priya
/teachersofbihar

पंजाब केसरी लाला लाजपत राय

28 जनवरी 1865-17 नवम्बर 1928

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

जयंती विशेष

28 जनवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

व्यक्ति को सत्य से कभी घबराना नहीं चाहिए उसे सांसारिक लाभ की चिंता छोड़कर साहसी और इमानदार बनना चाहिए।

- लाला लाजपत राय (पंजाब केशरी)

(प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी)

(28 जनवरी 1865 - 17 नवम्बर 1928)

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org